UNIVERSITY NEWS ON 20 JANUARY 2026

DAINIK JAGRAN

शुरू होगा चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने दिए निर्देश, बीटेक में 80 घंटे की इंटर्नशिप अनिवार्य

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इसके लिए शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता नेशनल काउंसिल फार टीचर एजुकेशन (एनसीईटी) जल्द ही आवेदन करेंगे। यही नहीं, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बी.टेक छात्र-छात्राओं के लिए प्रत्येक सत्र में 80 घंटे की सामाजिक इंटर्नशिप अनिवार्य की जाएगी। इस संबंध में जल्द ही गाइडलाइन जारी होगी। बीते 16 जनवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में हुई संकायाध्यक्षों की बैठक के बाद सोमवार को विस्तृत निर्देश जारी किए गए।

लवि में 1948 से बीएड पाठ्यक्रम संचालित है। अधिष्ठाता शिक्षा संकाय प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम के लिए नेशनल टीचर फार काउंसिल एजुकेशन (एनसीटीई) में जल्द ही आवेदन करेंगे, ताकि 2027 सत्र से इसे शुरू किया जा सके। इसमें इंटर के बाद प्रवेश लिया जा सकेगा।

विद्यार्थियों को सामान्य एवं चिकित्सीय बीमा सुविधा : कुलपति ने परिसर के छात्र-छात्राओं को सामान्य एवं चिकित्सा बीमा सुविधा देने का सुझाव दिया। इसके लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी है। प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों परिसर में करीब 23 हजार छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इन पर बीमा सुविधा में आने वाले खर्च का आकलन करने के लिए बीमा चिकित्सा कंपनियों को आमंत्रित किया है। उनसे प्रस्ताव लिया जाएगा। अभी सिर्फ शिक्षकों व कर्मचारियों को चार लाख रुपये के चिकित्सीय बीमा की सुविधा दी जा रही है। बैठक में एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित करने के सुझाव के साथ ही विश्वविद्यालय में एक्सटेंशन एवं आउटरीच सेल की स्थापना का निर्णय भी लिया गया। कुलपति की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश संख्या बढ़ाने के प्रयास करें। प्रबंध अध्ययन संकाय को अपने सभी विषय लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

कौशल आधारित पाठ्यक्रम : अभिनवगुप्त सौंदर्यशास्त्र एवं शैव दर्शन संस्थान को कौशल आधारित पाठ्यक्रम तैयार करने का निर्देश भी दिया गया। आइएमएस को फैकल्टी आफ मैनेजमेंट के साथ एकीकृत करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा विदेशी छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि वे किसी अन्य संस्थान में अध्ययनरत न हों। बैठक में फाइनेंस एंड एकाउंटिंग पाठ्यक्रम को एनबीए से मान्यता दिलाने की कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया गया।

स्टार्टअप शुरू करने के लिए शुरू होगा पोर्टल : कला एवं शिल्प संकाय के छात्र-छात्राओं की कलाकृतियों को आनलाइन प्लेटफार्म पर प्रदर्शित कर स्टार्टअप शुरू करने के लिए पोर्टल निर्माण का सुझाव दिया गया। साथ ही एलुमनाई मीट आयोजित कर विशेषज्ञ शिक्षकों एवं प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। विधि संकाय को निर्देश दिए कि वे वरिष्ठ न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान देने तथा एआइ पाठ्यक्रम को वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल करें।

लवि के हास्टल में शाम छह बजे के बाद बाहरी लोगों का आना-जाना बंद

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में बाहरी आगंतुकों को शाम छह बजे के बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन पर विशेष नजर भी रखी जाएगी। इसके लिए चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने सभी छात्रावास के प्रोवोस्ट को निर्देश जारी किए हैं। यह भी कहा गया गया है कि पुरुष छात्रावासों में सप्ताह में कम से कम दो बार सभी अंतःवासियों की उपस्थिति दर्ज करें।

पत्र के अनुसार लेखा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छात्रावासों में बिजली का बिल अधिक बढ़ गया है। इसलिए प्रोवोस्ट से कहा गया है कि यहां रहने वाले छात्र-छात्राओं द्वारा प्रयोग किए जा रहे रूम हीटर व ब्लोअर पर रोक लगाएं। इसके अलावा बिना अनुमति के कोई भी धरना प्रदर्शन में शामिल न हो, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

DAINIK JAGRAN

तीन खिलाड़ी आल इंडिया टूर्नामेंट में पहुंचे

जासं • लखनऊ: लवि के तीन खिलाड़ियों ने नार्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो टूर्नामेंट 2025–26 में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आल इंडिया जूडो टूर्नामेंट में क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता लवली विश्वविद्यालय में 15 से 19 जनवरी तक हुआ। इसमें 60 से ज्यादा विश्वविद्यालय की टीमों ने भाग लिया।

क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय ने बताया टूर्नामेंट के लिए जो खिलाड़ी क्वालीफाई हुए हैं उनमें शुशांत 100 किग्रा. वेट कैटेगरी, प्रसून 63 किग्रा. व डाली 57 किग्रा. हैं।

लवि ने छूटे छात्रों को दिया परीक्षा का मौका

जासं • लखनऊ : लवि की ओर से बी.एससी गणित, भौतिक और जंतु विज्ञान (बैच 2021–2023) बैच के कई विद्यार्थियों की परीक्षा छूट जाने की वजह से सोमवार को वह परेशान हो गए। इस पर एनएसयूआइ से छात्र नेता प्रिंस प्रकाश, अंकुश चौहान ने कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी से मिलकर समस्या बताई। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने कहा कि बी.एससी गणित, भौतिक और जंतु विज्ञान (बैच 2021–2023) बैच के जिन छात्र-छात्राओं की परीक्षा छूट गई है वे लवि की वेबसाइट के माध्यम से 100 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क के साथ 22 तक आवेदन कर सकते हैं।

AMRIT VICHAR

लविवि खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो टूर्नामेंट 2025–26 का आयोजन लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय मे खेली गई, इस प्रतियोगिता मे 60 से ज्यादा विश्विद्यालय की टीमों ने भाग लिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन खिलाड़ियो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया जूडो टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए जो खिलाड़ी क्वालीफाई हुए है उनमे शुशांत राय 100 कि ग्रा. वेट कैटेगरी, प्रसून बाजपेयी 63 कि. ग्रा. वेट कैटेगरी एवं डॉली रावत 57 कि. ग्रा. वेट कैटेगरी शामिल है।

नेटबॉल टीम के लिए आज होगा चयन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन द्वारा पुरुष वर्ग की नेटबॉल टीम के चयन हेतु ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। ये ट्रायल नॉर्थ ज़ोन, ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी खेल सत्र 2025–26 के लिए होंगे। ट्रायल आज 3 बजे परांजपे पवेलियन ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागियों को 2:30 बजे तक एथलेटिक एसोसिएशन कार्यालय मे पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण के समय दो पासपोर्ट साइज फोटो, शुल्क की रसीद, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट व स्नातक अंकपत्र लाना आवश्यक है।

AMRIT VICHAR

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड शुरू करेगा लविवि

लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक उन्नयन के लिए हुई संकायाध्यक्षों की बैठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता मे सुधार, शोध एवं प्रकाशन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, रैंकिंग सुदृढ़ करने और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संकायाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कुलपति ने परिचय सत्र मे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास को लेकर अपनी दृष्टि साझा की। इसके बाद सभी संकायाध्यक्षों ने अपने-अपने संकाय की वर्तमान स्थिति, शिक्षकों की संख्या तथा छात्र-छात्राओं की उपलब्धता की जानकारी दी। चर्चा के उपरांत विश्वविद्यालय के समग्र शैक्षणिक उन्नयन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग को शोध और प्रकाशन गतिविधियों पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही हर विभाग के लिए वर्ष मे कम से कम एक राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करना अनिवार्य किया गया। अधिष्ठाता, महाविद्यालय विकास परिषद को शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्यों के विकेंद्रीकरण का सुझाव दिया गया। सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश संख्या बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने के निर्देश भी दिए गए।

'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' होगा एकीकृत: बैठक में कृषि संकाय को आईसीएआर अनुमोदन की स्थिति स्पष्ट करने तथा शिक्षा संकाय को चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही विभागों को अपने एलएमएस को इंफ्लीबेट के सर्वर पर 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना के अंतर्गत एकीकृत करने का सुझाव भी दिया गया।

विदेशी छात्रों की होगी बायोमेट्रिक उपस्थिति: बैठक में विदेशी छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने पर सहमति बनी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि कोई भी विदेशी छात्र किसी अन्य संस्थान में एक साथ अध्ययनरत न हो।

विधि संकाय में होगा एआई: विधि संकाय में वरिष्ठ न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान तथा एआई आधारित पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय के रूप में करने के निर्देश दिए गए।

कौशल आधारित पाठ्यक्रम

- अभिनवगुप्त सौंदर्यशास्त्र एवं शैव दर्शन संस्थान को कौशल आधारित पाठ्यक्रम तैयार करने तथा इसके लिए एसओपी का मसौदा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण को छात्रों के लिए सामान्य एवं चिकित्सीय बीमा सुविधा उपलब्ध कराने तथा एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा गया।

80 घंटे करनी होगी सामाजिक इंटर्नशिप

- अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के छात्रों के लिए प्रत्येक सत्र मे 80 घंटे की सामाजिक इंटर्नशिप अनिवार्य किए जाने का निर्णय लिया गया। वहीं प्रबंधन अध्ययन संकाय को भविष्य मे सीएटी के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया अपनाने तथा आईएमएस को प्रबंधन संकाय के साथ एकीकृत करने के निर्देश दिए गए।

फ्लिपकार्ट व अमेजन पर दिखेंगी कलाकृतियां

- छात्रों की कलाकृतियों को फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित कर स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक पोर्टल विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही एलुमिनाई मीट आयोजित कर विशेषज्ञ शिक्षकों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया।

HINDUSTAN TIMES

LU ADMISSIONS: PRIORITY TO CLAT/CAT-CLEARED STUDENTS

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW : The Lucknow University (LU) authorities have decided to give preference to those candidates who have cleared the Common Law Admission Test (CLAT) and the Common Admission Test (CAT) in admission to the university's law and management courses from the next session. This was discussed during a deans' meeting for academic advancement and institutional reforms that vice chancellor Prof JP Saini chaired on Friday (January 16).

The CAT is a national-level entrance exam for admission to postgraduate management programs, while the CLAT is a national-level entrance exam for admission to undergraduate and postgraduate (PG) law programs.

"This will ensure quality students and also bring transparency to the system," said Prof JP Saini. "Direct admission will be given on the basis of CLAT and CAT results. After this, the admissions will be given on a phase out basis where other students will be given admission based on different criteria," he added.

The Faculty of law was also instructed to provide practical knowledge to the students through a dialogue with senior judges and advocates and to include AI course as an optional subject. During the meeting, it was also mandated to organise at least one national/international conference annually.

The dean, College Development Council, was suggested to decentralise the work for improving the educational quality. Besides, All deans and HoDs were instructed to make efforts to increase student enrolment in the university and affiliated colleges.

I NEXT

एक साथ दिखेंगी एनसीसी की तीनों विंग

एलयू में नेवल, एयर और आर्मी की विंग परेड में करेंगी मार्च

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी में अभी तक रिपब्लिक डे परेड में एनसीसी की आर्मी और नेवल विंग एक साथ परेड करती थीं. इस बार परेड में एनसीसी की एयर विंग भी इनक साथ शामिल होगी. एलयू में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट अधिकारी डॉ. रजनीश यादव ने बताया कि एनसीसी में एयर विंग बीते साल शुरू की गई थी. ये विंग पहली बार परेड में शामिल होगी. इसके लिए एयर विंग ने प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है.

150 कैडेट्स करेंगे मार्च

रिपब्लिक डे की परेड में इस साल 150 कैडेट्स शामिल होंगे. जिसमें एयर विंग के 20, नेवल के 30 कैडेट्स हैं. आर्मी में दो बटालियन 64 यूपी बटालियन के 50 कैडेट्स और 63 यूपी बटालियन के 50 कैडेट्स शामिल हैं. इन 150 कैडेट्स में 94 मेल और 56 फीमेल कैडेट्स हैं. रिपब्लिक डे के लिए सभी कैडेट्स इन दिनों यूनिवर्सिटी के ग्राउंड में परेड करते दिख रहे हैं.

VOICE OF LUCKNOW

लविवि में एक्सटेंशन और आउटरीच सेल की होगी स्थापना

- लविवि में शैक्षणिक उन्नयन एवं संस्थागत सुधार के लिए संकायाध्यक्षों की बैठक सम्पन्न

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि में कुलपति की अध्यक्षता में समस्त संकायाध्यक्षों एवं अधिष्ठाताओं की बैठक मंथन कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं प्रकाशन गतिविधियों, रैंकिंग सुधार तथा आधुनिक तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देना था।

बैठक के प्रारम्भ में कुलपति ने परिचय सत्र में अपनी दृष्टि साझा की तथा सभी संकायाध्यक्षों ने अपने-अपने संकाय की स्थिति, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की संख्या से अवगत कराया। इसके बाद विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उन्नयन के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से प्रत्येक विभाग को शोध और प्रकाशन गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। साथ ही वर्ष में कम-से-कम एक राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करना अनिवार्य किया गया। अधिष्ठाता, महाविद्यालय विकास परिषद् को शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के लिए कार्यों के विकेंद्रीकरण का सुझाव दिया गया। सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश संख्या बढ़ाने के प्रयास करने के निर्देश दिये गये। कृषि संकाय को आईसीएआर अनुमोदन की स्थिति स्पष्ट करने तथा शिक्षा संकाय को 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया गया। सभी विभागों को अपने एलएमएस को इनफ्लिबनेट के सर्वर पर वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना के अंतर्गत एकीकृत करने का सुझाव दिया गया। प्रबंध अध्ययन संकाय को अपने सभी विषय एलएमएस पर अपलोड करने के निर्देश दिये गये। अभिनवगुप्त सौंदर्यशास्त्र एवं शैव दर्शन संस्थान को कौशल आधारित पाठ्यक्रम तैयार करने तथा SOP का मसौदा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। वहीं, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण को छात्रों के लिए सामान्य एवं चिकित्सीय बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने तथा एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही विश्वविद्यालय में एक्सटेंशन एवं आउटरिच सेल की स्थापना का निर्णय लिया गया।

तकनीकी एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय: अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के छात्रों हेतु प्रत्येक सत्र में 80 घंटे की सामाजिक इंटर्नशिप अनिवार्य की गयी। प्रबन्ध अध्ययन संकाय को भविष्य में CAT के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया अपनाने तथा आईएमएस को फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट के साथ एकीकृत करने का सुझाव दिया गया। विदेशी छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि वे किसी अन्य संस्थान में अध्ययनरत न हों। फाइनेंस एंड एकाउंटिंग पाठ्यक्रम को एनबीए से मान्यता दिलाने की कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। छात्रों की कलाकृतियों को फ्लिपकार्ट एमेजॉन जैसे प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित कर स्टार्ट अप प्रारम्भ करने के लिए पोर्टल निर्माण का सुझाव दिया गया। साथ ही एलयुमिनी मीट आयोजित कर एक्सपर्ट टीचर्स एवं प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। वरिष्ठ न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा AI पाठ्यक्रम को वैकल्पिक विषय के रूप में सम्मिलित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में लिये गये निर्णय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध गतिविधियों, तकनीकी एकीकरण तथा छात्र कल्याण को नई दिशा प्रदान करेंगे।

AMAR UJALA

विषम सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से एलएलबी और बीएजेएमसी का विषम सेमेस्टर परीक्षा परिणाम सोमवार को जारी कर दिया गया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीएजेएमसी में पांचवे, एलएलबी पांच वर्ष 2018-19 में नौवें सेमेस्टर और एलएलबी तीन वर्षीय में तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम जारी किया गया है। (संवाद)

पास वाली गाड़ियों को ही प्रवेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी ने परीक्षा चलने तक उन्हीं वाहनों को प्रवेश देने का निर्णय लिया है जिनके पास जारी हुए हैं। साथ ही बाहरी विद्यार्थियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। प्रॉक्टर ने बताया कि स्नातक, परास्नातक व अन्य कक्षाओं की सेमेस्टर परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। हर विद्यार्थी को परिचय पत्र लाना होगा। (संवाद)

AAJ

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुयी संकायाध्यक्षों की बैठक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में समस्त संकायाध्यक्षों एवं अधिष्ठाताओं की बैठक मंथन कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं प्रकाशन गतिविधियों, रैंकिंग सुधार तथा आधुनिक तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देना था। बैठक में विशेष रूप से शोध एवं प्रकाशन पर बल दिया गया। प्रत्येक विभाग को शोध और प्रकाशन गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। साथ ही वर्ष में कम.से.कम एक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करना अनिवार्य किया गया। महाविद्यालय विकास परिषद अधिष्ठाता, महाविद्यालय विकास परिषद को शैक्षिक गुणवत्ता सुधार हेतु कार्यों के विकेंद्रीकरण का सुझाव दिया गया। प्रवेश संख्या में वृद्धि सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश संख्या बढ़ाने के प्रयास करने के निर्देश दिये गये। नवीन पाठ्यक्रम एवं अनुमोदन कृषि संकाय को अनुमोदन की स्थिति स्पष्ट करने तथा शिक्षा संकाय को 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम हेतु आवेदन करने का निर्देश दिया गया।

AMAR UJALA

लविवि की बैठक में हुआ निर्णय, विधि छात्रों के लिए शुरू होगा एआई कोर्स

इंटीग्रेटेड बीएड और कृषि में शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड और कृषि में नए कोर्सों की शुरुआत होगी। ये निर्णय कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। कुलपति ने शिक्षा व कृषि संकायाध्यक्षों को इन नए कोर्सों की शुरुआत करने के लिए आवेदन का निर्देश दिया है।

बता दें कि चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड (बीए, बीएससी-बीएड) पाठ्यक्रम एक दोहरी डिग्री प्रोग्राम है जो 12वीं के बाद सीधे शुरू होता है, जिसमें छात्र एक साथ स्नातक और बीएड की हासिल कर सकते हैं। इसका विद्यार्थियों को सबसे बड़ा फायदा साल की बचत का होगा। यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत शुरू होगा।

बैठक में तय हुआ कि अब विधि छात्रों को वरिष्ठ न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर छात्रों को व्यावहारिक दिया जाएगा। साथ ही एआई पाठ्यक्रम को वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया जाएगा। बैठक में विदेशी छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही सभी विभागों को अपने सर्वर पर वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना के तहत एकीकृत करने का सुझाव दिया गया।

- **फाइनेंस व अकाउंटिंग की ली जाएगी मान्यता :** फाइनेंस व अकाउंटिंग पाठ्यक्रम को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) मान्यता दिलाने की पहल जल्द शुरू होगी।
- **कला व शिल्प से जुड़े विद्यार्थियों के लिए अच्छा अवसर :** विवि के कला व शिल्प संकाय के छात्रों की कलाकृतियों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित कर स्टार्टअप शुरू करने के लिए पोर्टल बनाया जाएगा।

"विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध व प्रकाशन गतिविधियों, रैंकिंग सुधार के साथ आधुनिक तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। - **प्रो. जेपी सैनी**, कुलपति, लविवि

- **कौशल आधारित पाठ्यक्रम होंगे शुरू :** विश्वविद्यालय में कौशल आधारित पाठ्यक्रम शुरू होंगे। जिनमें अभिनवगुप्त सौंदर्यशास्त्र व शैव दर्शन संस्थान को कौशल आधारित पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही छात्रों हेतु सामान्य एवं चिकित्सीय बीमा की सुविधा देने की योजना तैयार हुई है।
- **तकनीकी शिक्षा में अब 80 घंटे की इंटर्नशिप जरूरी :** तकनीकी एवं प्रबंधन अध्ययन संकाय अब हर विद्यार्थियों 80 घंटे की सामाजिक इंटर्नशिप कराएगा। इसके साथ ही मैनेजमेंट कोर्सों में कैट के माध्यम से भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

HINDUSTAN

एलयू के तीन खिलाड़ी जूडो के लिए क्वालीफाई

लखनऊ। एलयू के तीन खिलाड़ियों नेऑल इंडिया जूडो टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। 15 से 19 जनवरी तक लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय में 60 से ज्यादा विवि की टीमों ने भाग लिया। क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि शुशांत राय 100 किग्रा., प्रसून बाजपेयी 63 किग्रा. और डॉली रावत 57 किग्रा ने क्वालीफाई किया है।

UNIVERSITY NEWS 20 JANUARY 2026

DAINIK JAGRAN

पर्यावरण के रक्षक मेंढक और टोड ही असुरक्षित

अखिल सक्सेना • जागरण

तराई के क्षेत्रों में टोड और मेंढक सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाओं का शिकार, लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग ने किया शोध

महाराजगंज में सर्वेक्षण के दौरान जलाशय के जल की गुणवत्ता का परीक्षण करते प्रशांत, ज्योति अंतिल और कृतिका राव व सर्वेक्षण के दौरान वृक्ष के खोखले भाग (ट्री होल) में यूपेरोडोन टैप्रोबैनिकस मेंढक • सौ लवि

लखनऊ : पर्यावरणीय संतुलन में अहम भूमिका निभाने वाले एन्यूरंस (मेंढक और टोड) आज अस्तित्व के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। कभी मानसून में हर ओर दिखाई देने वाले ये उभयचर अब लगातार दुर्लभ होते जा रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया के नेतृत्व में शोधार्थी डा. प्रशांत त्रिपाठी व टीम की ओर से उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के संरक्षित इलाकों में किए गए एक विस्तृत शोध सर्वेक्षण ने यह तथ्य सामने आए हैं, जिनमें मानवजनित गतिविधियों खासकर सड़क दुर्घटनाओं, रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग और वन क्षेत्रों में चिकित्सीय अपशिष्ट के अनुचित निपटान को इनके घटते अस्तित्व का प्रमुख कारण बताया गया है। सर्वेक्षण के दौरान सर्वाधिक टोड व मेंढक मरे पाए गए, जो सड़क पर वाहनों से कुचले हुए थे।

'उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के संरक्षित क्षेत्रों में एन्यूरंस (मेंढक एवं टोड) का अध्ययन' विषय पर हुए शोध सर्वेक्षण में पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा नेशनल पार्क, महाराजगंज के सोहागीबरवा, बहराइच के कतर्नियाघाट और बलरामपुर के सुहेलवा का भ्रमण किया गया। इसमें शोधार्थी डा. प्रशांत त्रिपाठी, ज्योति अंतिल, कृतिका राव, शिवांशु राठौर, नरसिंह मणि शामिल रहे। डा. प्रशांत बताते हैं कि इन तराई क्षेत्र के संरक्षित इलाकों में किए गए विस्तृत सर्वेक्षण के दौरान एन्यूरंस की 10 वंश और चार कुलों को मिलाकर 25 प्रजातियां दर्ज की गईं।

मौत के प्रमुख कारण : डा. प्रशांत बताते हैं कि अध्ययन के दौरान सैकड़ों एन्यूरंस मृत पाए गए, जिनमें सर्वाधिक मौतें सड़क दुर्घटनाओं से हुईं। इसके अलावा वन क्षेत्रों में चिकित्सीय अपशिष्ट का अनुचित निपटान, मछली पकड़ने की गतिविधियां, कृषि क्षेत्रों में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा अत्यधिक चराई शामिल हैं।

क्यों जरूरी हैं इन्हें बचाना

- मेंढक मच्छरों व उनके लार्वा को खाते हैं। इस तरह से ये मच्छरों की तादाद को अनियंत्रित होने से बचाते हैं और मच्छरजनित रोगों को भी अधिक फैलने से रोकते हैं।
- मेंढक खाद्य श्रृंखला का एक अहम हिस्सा हैं। एक कड़ी गायब होने से पूरी श्रृंखला टूट जाती है जिसके भयावह प्राकृतिक दुष्परिणाम हो सकते हैं।
- मेंढकों को नेचर फार्मेसी कहा जाता है। इनसे कई दवाएं बनाई जाती हैं। इनके न रहने से कई जीवनदायी औषधियां नहीं बन पाएंगी।

बचाव के उपाय

- सड़कों के नीचे एम्फीबियन टनल बनाई जाए जिससे एन्यूरंस सुरक्षित आवागमन कर सकें।
- एन्यूरंस के प्रजनन एवं प्रवासन काल में तराई क्षेत्र की संक्षरित सड़कों पर गति सीमा निर्धारित की जाए।

शौर्य सभा आयोजित

अमृत विचार , लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समीप विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्रों की ओर से "शौर्य शिरोमणि" महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के अवसर पर शौर्य सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार से जुड़े सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उपस्थित होकर राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप को नमन किया और उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके अदम्य साहस को स्मरण किया गया।

AMRIT VICHAR

शोध | लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग में सामने आया चिंताजनक निष्कर्ष

खेतों में आर्सेनिक, किसान उगा रहे जहरीली सब्जियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पालक जैसी हरी सब्जियां आर्सेनिक को ज्यादा सोखती हैं
- सिल्वर क्वांटम डॉट्स तकनीक से बचाव संभव

अमृत विचार: लाखों किसान ऐसी भूमि पर खेती कर रहे हैं, जिसकी मिट्टी और पानी में आर्सेनिक जैसा जहर घुल है। ऐसे खेतों में उगाई सब्जियां और अन्य कृषि उपज लोगों को कैंसर और हृदय रोगी बना रही हैं। दरअसल मिट्टी और सिंचाई के पानी के जरिये जहरीला आर्सेनिक तत्व फसलों के जरिये हमारे खाने में शामिल हो रहा है। पालक जैसी हरी सब्जियां आर्सेनिक को तेजी से अपने सोख लेती हैं, इनका लंबे समय तक सेवन करने पर कैंसर, नसों और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा अधिक बढ़ जाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में प्रो. मोहम्मद इसराईल अंसारी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एक नई और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक विकसित की है।

उन्होंने पौधों से बनाए गए सिल्वर क्वांटम डॉट्स नामक बेहद सूक्ष्म कणों का उपयोग करके पालक को आर्सेनिक से सुरक्षित रखने का तरीका खोजा है। उनका शोध नीदरलैंड की प्रतिष्ठित पत्रिका 'प्लांट स्ट्रेस' (एल्सेवियर) में प्रकाशित हुआ है। प्रो. अंसारी के अनुसार आर्सेनिक प्रदूषण खाद्य सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रहा है। उनकी टीम द्वारा विकसित क्वांटम डॉट्स पौधों के भीतर एक सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं और आर्सेनिक को खाने योग्य पत्तियों तक पहुंचने से रोकते हैं। यह तकनीक न केवल सुरक्षित है बल्कि पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल भी है। शोध के द्वारा इन क्वांटम डॉट्स को पालक की पत्तियों से ही एक हरित प्रक्रिया के जरिए तैयार किया गया। जब इन कणों को आर्सेनिक से दूषित मिट्टी में डाला गया, तो उन्होंने पौधों की कोशिकाओं के भीतर जाकर काम किया और जड़ों से पत्तियों तक आर्सेनिक जहर के पहुंचने की मात्रा को काफी हद तक कम कर दिया। इससे पालक ज्यादा स्वस्थ रही। साथ ही ये सूक्ष्म कण पौधों की अपनी रक्षा प्रणाली को भी मजबूत करते हैं, जिससे वे प्रदूषित माहौल में भी बेहतर तरीके से बढ़ पाते हैं। पत्तियां ज्यादा हरी रहती हैं, पौधे की पैदावार अच्छी होती है और पानी का संतुलन भी बना [illegible]

उप्र समेत पांच राज्यों में बढ़ी आर्सेनिक की मात्रा

मिट्टी और जल में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए जहर का कार्य करता है। देश विभिन्न राज्यों में कृषि भूमि पर इसकी मात्रा चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। जिसमे पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, असम और पंजाब जैसे राज्यों मे यह समस्या ज्यादा गंभीर हो चुकी है।

नई तकनीक स्वस्थ सब्जियां उगाने में मददगार

प्रो. मोहम्मद इसराईल ने बताया कि नई तकनीक आर्सेनिक से प्रभावित इलाको मे खेती के लिए नई उम्मीद बन सकती है। यह किसानो को सुरक्षित और स्वस्थ सब्जियां उगाने मे मदद कर सकती है और लोगों को जहरीले भोजन से बचा सकती है। छोटे से दिखने वाले ये क्वांटम डॉट्स कण भविष्य मे बड़ी समस्या का समाधान बन सकते हैं

TIMES OF INDIA

R-Day: NCC's tri-service parade at LU

Times News Network

Lucknow: In a first, Lucknow University (LU) will witness a combined parade by all three wings of the National Cadet Corps — Army, Naval and Air — on Jan 26 to mark Republic Day.

Around 150 NCC cadets will participate in the ceremonial parade, showcasing discipline, unity and military training in a first tri-service display on the university campus.

Earlier, Republic Day parades at LU featured only

the Army and Naval wings. The parade will feature cadets from the 63rd and 64th UP Army battalions, the 3rd naval wing, and the 5th air wing squadron.

NCC coordinator of LU, Rajneesh Yadav said, "This tri-service NCC parade reflects the discipline, coordination and patriotism of our cadets."

NBT

LU के तीन खिलाड़ियों ने किया क्वॉलिफाई

NBT न्यूज, लखनऊ: एलयू के तीन खिलाड़ियों ने नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया जूडो टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रतियोगिता 15 से 19 जनवरी तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित की गई थी, जिसमें 60 से अधिक विवि की टीमों ने हिस्सा लिया। एलयू क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि ऑल इंडिया के लिए क्वॉलिफाई करने वाले खिलाड़ी में 100 किलो में सुशांत राय, 63 किलो में सुशांत राय, 57 किलो में डॉली रावत शामिल हैं।

स्टूडेंट्स ने जानीं ऑडियो की बारीकियां

NBT न्यूज, लखनऊ : नेशनल पीजी कॉलेज (NPGC) के पत्रकारिता विभाग में सोमवार से छह दिवसीय कार्यशाला 'साउंडक्राफ्ट: द ऑडियो वर्कशॉप' की शुरुआत हुई। उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव और कॉलेज के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने किया। प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने कहा कि रेडियो मे बोलने के अंदाज का सबसे अधिक महत्व होता है। पहले दिन विशेषज्ञ अनवारूल हसन ने छात्रों को ऑडियो लेखन और एडिटिंग की बारीकियां सिखाई।

AMAR UJALA

लविवि के तीन जूडोका चमके

लखनऊ। नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो टूर्नामेंट 2025-26 का आयोजन लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय में 15 से 19 जनवरी हुआ। इस प्रतियोगिता में 60 से ज्यादा विश्विद्यालय की टीमों प्रतिभाग किया। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया जूडो टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। लविवि क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि ऑल इंडिया टूर्नामेंट में शुशांत राय 100 किलोग्राम, वेट कैटेगरी, प्रसून बाजपेयी 63 किलोग्राम कैटेगरी और डॉली रावत 57 किलोग्राम वेट की कैटेगरी में शामिल है। (संवाद)

TIMES OF INDIA

LU VC discusses plan with deans, HoDs

Lucknow: LU vice-chancellor JP Saini on Monday met dean of all faculties and heads of the departments and issued number of instructions on improving academic quality, research, technology use, and student welfare. Key decisions included giving priority to research and publications, organising at least one national or international conference in a department every year, and increasing student admissions in the university and affiliated colleges. Faculties were advised to introduce new courses, obtain necessary approvals, and integrate their Learning Management Systems with INFLIBNET under the One Nation, One Subscription scheme.